Series : EFGH/S **SET ~ 1**

प्रश्न-पत्र कोड **3/S/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार** खण्ड हैं – खण्ड **क**, **ख**, **ग** और **घ**।*

(iii) ***खण्ड क** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है।*

(iv) ***खण्ड ख** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है।*

(v) ***खण्ड ग** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है।*

(vi) ***खण्ड घ** में कुल **4** प्रश्न हैं।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(viii) *यथासंभव सभी खण्डों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

अपना और पराया दुख दोनों क्रोध को बढ़ाने वाले हैं। इसमें अपने स्वार्थ के लिए क्रोध पर संयम ही उपयुक्त समझा गया है। इसका मुख्य कारण यही है कि दूसरे के लिए किया जाने वाला क्रोध तो दूसरे के दुख से व्याकुल होने पर ही होता है। जो सगे-संबंधियों या मित्रों के लिए किए गए क्रोध से भी उत्तम कोटि का माना जा सकता है। ऐसे ही क्रोध का उदाहरण काव्य-जगत का जगमगाता रत्न 'रामायण' है, जिसकी रचना आदिकवि वाल्मीकि ने की थी। व्याध द्वारा क्रौंच पक्षी को मारने पर वाल्मीकि के मुख से क्रोध रूपी काव्यधारा बह निकली थी जिससे आगे चलकर 'रामायण' की रचना हुई। यहाँ वाल्मीकि ने बिना किसी भेदभाव के, कल्याण के लिए व्याध को शाप दिया जो व्याध की कठोरता का दंड और साहित्य का अनूठा ग्रंथ बना। इसी प्रकार शिशुपाल के अत्याचार जब सीमा पार कर गए तो श्रीकृष्ण को क्रुद्ध होकर उसे दंडित करके, समाज के कल्याण का बीड़ा उठाना पड़ा। इन दोनों ही परिस्थितियों में क्षमा अपनी सीमा समाप्त कर चुकी थी। उस समय यदि ऐसा न किया जाता तो समाज में निराशा और अत्याचार का बोल-बाला बढ़ता ही चला जाता। आशा और उत्साह सदा के लिए समाप्त हो जाते। इन परिस्थितियों में धर्म के उद्धार के लिए, पवित्र भावों की रक्षा के लिए, अन्याय का विरोध करना जरूरी हो जाता है। ऐसा क्रोध धर्म में विश्वास को बढ़ाता है। संसार में शांति की स्थापना करता है। अत: इस प्रकार के क्रोध को पवित्र या पावन क्रोध की संज्ञा दी गई है। राम और कृष्ण ने ऐसा ही कालाग्निसदृश अर्थात् मृत्यु के समान भयंकर क्रोध कर तत्कालीन समाज की रक्षा की थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) क्रोध का वह रूप सबसे पावन है जो : *1*

(A) काल के समान भयंकर और असंयमित हो

(B) मित्रों के दुख को दूर करने के लिए हो

(C) दूसरों के दुख को दूर करने के लिए हो

(D) स्वार्थ की भावना से परिपूर्ण, संयमित हो

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : राम और कृष्ण ने कालाग्निसदृश क्रोध कर तत्कालीन समाज की रक्षा की थी।

कारण : समाज को निराशा और अत्याचार के भँवर से निकालने के लिए आवश्यक था।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) क्रोध पर संयम आवश्यक है, – जब वह : *1*

(A) निजी हित से जुड़ा हो

(B) मित्रों के दुख से जुड़ा हो

(C) अपरिचित व्यक्ति के दुख से जुड़ा हो

(D) शक्तिशाली व्यक्ति से जुड़ा हो

(iv) गद्यांश में वाल्मीकि और श्रीकृष्ण का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? *2*

(v) किन परिस्थितियों में क्रोध करना आवश्यक हो जाता है ? *2*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़
कभी नहीं जो तज सकते हैं, अपना न्यायोचित अधिकार
कभी नहीं जो सह सकते हैं, शीश नवाकर अत्याचार
एक अकेले हों, या उनके साथ खड़ी हो भीड़। मैं हूँ उनके ....

निर्भय होकर घोषित करते, जो अपने उद्‌गार विचार
जिनकी जिह्वा पर होता है, उनके अंतर का अंगार
नहीं जिन्हें चुप करती है आततताइयों की शमशीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़।

नहीं झुका करते जो दुनिया से करने को समझौता
ऊँचे से ऊँचे सपनों को जो देते रहते न्योता
दूर देखती जिनकी पैनी आँख, भविष्यत का तम चीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़।

जो अपने कंधों से पर्वत से बढ़ टक्कर लेते हैं
पथ की बाधाओं को जिनके पाँव चुनौती देते हैं
जिनको बाँध नहीं सकती है लोहे की बेड़ी-जंजीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) 'रीढ़ सीधी रखना' – का आशय है : *1*

(A) कमर सीधी रखना

(B) स्वावलंबी होना

(C) अकड़कर चलना

(D) रीढ़ की हड्डी सीधी रखना

(ii) काव्यांश में 'मैं' प्रयुक्त हुआ है : *1*

(A) कवि के लिए

(B) लेखनी के लिए

(C) कविता के लिए

(D) नियति के लिए

(iii) 'आतताइयों की शमशीर' – पंक्ति में 'शमशीर' प्रतीकार्थ है : *1*

(A) तलवार का

(B) अत्याचार का

(C) आवाज़ का

(D) साम्राज्य का

(iv) सीधी रीढ़ रखने वाले व्यक्तियों की विशेषताएँ लिखिए। *2*

(v) 'पर्वत से बढ़ टक्कर लेना' का क्या आशय है ? *2*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) हमारे पिताजी तड़के उठते और पूजा करने बैठ जाते थे। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) पिताजी आटे की गोलियों को लेकर गंगाजी की ओर चल पड़ते। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) आँधी के कुछ दूर निकल जाने पर हम लोग घर की ओर दौड़े। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) जब वह आटे की गोलियाँ मछलियों को खिलाते तब हम हँसा करते थे। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(ङ) अज्ञेय जी ने कई नौकरियाँ की और छोड़ी। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) भाववाच्य की क्या पहचान होती है ? उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) सुमित्रानंदन पंत ने पर्वत प्रदेश में होने वाली वर्षा का बड़ा ही मनोहारी वर्णन किया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) दुकानदार द्वारा एक ग्राहक को सामान दिखाया जा रहा था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) ऐसी सर्दी में रात भर कैसे बैठेंगे। (भाववाच्य में बदलिए)

(ङ) मोहन ने रोटी के एक बड़े ग्रास को खाने की कोशिश की। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : *4×1=4*

(क) शाहनी का घर से निकलना छोटी-सी बात नहीं है।

(ख) शाहनी अस्फुट स्वर से बोली।

(ग) शाहनी ने दुपट्टे से आँखें पोंछी।

(घ) आज वह अकेली हो गई है।

(ङ) इस दरिया के किनारे वह दुलहिन बनकर उतरी थी।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों की काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : *4×1=4*

(क) हाय फूल-सी कोमल बच्ची
हुई राख की थी ढेरी।

(ख) वन शारदी चन्द्रिका-चादर ओढ़े

(ग) दादुर धुनि चहुँ ओर सुहाई। वेद पढ़त जनु बटु समुदाई।।

(घ) पानी परात को हाथ छुयो नहिं
नैनन के जल सो पग धोए।

(ङ) पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुसकान फैल गई। वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल !

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

(i) कस्बे के नागरिकों के किस प्रयास को सफल और सराहनीय कहा गया है ?

(A) चौराहे पर नेताजी की मूर्ति स्थापित करना

(B) मूर्ति की आँखों पर असली चश्मा लगाना

(C) देशभक्तों को स्मरण और नमन करना

(D) नगरपालिका द्वारा प्रशासनिक कार्य करना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) 'वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है' – पंक्ति में किस 'आइडिया' की बात हो रही है ?

(A) मूर्ति स्थापना की

(B) संगमरमर की मूर्ति बनाने की

(C) चौराहे पर मूर्ति स्थापना की

(D) मूर्ति पर रियल चश्मा लगाने की

(iii) हालदार साहब चौराहे पर क्यों रुके थे ?

(A) पान खाने

(B) विश्राम करने

(C) मूर्ति देखने

(D) चश्मा देखने

(iv) हालदार साहब के चेहरे की मुसकान में कौतुकता का भाव क्यों था ?

(A) मूर्ति पर लगे असली चश्मे का कारण जानने के लिए

(B) मूर्ति बनाने वाले व्यक्ति के विषय में जानने के लिए

(C) कस्बे के चौराहे पर मूर्ति लगवाने के पीछे का कारण जानने के लिए

(D) मूर्तिकार द्वारा मूर्ति का चश्मा नहीं बनाने के पीछे का कारण जानने के लिए

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : महत्त्व कार्य के बड़े या छोटे होने का नहीं, उसे करने के पीछे की भावना का है।

कारण : नि:स्वार्थ भाव से/देशभक्ति की भावना से किया गया छोटे से छोटा कार्य भी महान है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) वेशभूषा या बाह्य अनुष्ठानों से ही कोई संन्यासी नहीं होता, संन्यास का आधार जीवन के मानवीय सरोकार होते हैं। बालगोबिन भगत के चरित्र के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(ख) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर आज़ादी के संघर्ष में विद्यार्थी वर्ग के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'फटा सुर न बख्शे। लुंगिया का क्या है, आज फटी है तो कल सी जाएगी।' कथन के संदर्भ में बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल ?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?
देखते ही रहोगे अनिमेष !

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण' – पंक्ति का आशय है :

(A) पत्थर पिघलकर पानी की तरह होना

(B) कठोर हृदय व्यक्ति का भी भावुक होना

(C) चट्टानी पत्थरों का जलधारा से युक्त होना

(D) कठोर हृदय व्यक्ति का भी निर्मल होना

(ii) 'मृतक में भी डाल देगी जान' – पंक्ति में 'मृतक' से अभिप्राय है :

(A) मरा हुआ व्यक्ति

(B) स्वार्थी व्यक्ति

(C) आलसी व्यक्ति

(D) संवेदनहीन व्यक्ति

(iii) धूलि-धूसर से युक्त शरीर किसका है ?

(A) कवि का

(B) पिता का

(C) माता का

(D) शिशु का

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : शिशु की मनोहारी मुसकान देखकर कवि के हृदय में सौंदर्य और कोमलता का संचार हो गया।

कारण : शिशु की दंतुरित मुसकान की सुंदरता कठोर मन को पिघला देती है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण ग़लत है, किंतु कथन सही है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I		कॉलम-II	
1.	सौंदर्यी आनंद	(क)	बाँस-बबूल
2.	शिशु	(ख)	शेफालिका के फूल
3.	पिता	(ग)	जलजात

विकल्प :

(A) (1-ग), (2-ख), (3-क)

(B) (1-ख), (2-ग), (3-क)

(C) (1-क), (2-ग), (3-ख)

(D) (1-ख), (2-क), (3-ग)

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) सूरदास के 'पद' के आधार पर लिखिए कि ऐसे कौन-से कारण हैं कि गोपियाँ यह कहने को विवश हो गईं कि कृष्ण राजनीति के ज्ञाता हो गए हैं ?

(ख) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग में परशुराम के प्रति लक्ष्मण के कहे गए वचनों को आप कहाँ तक उचित मानते हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ग) 'फ़सल' कविता के संदर्भ में लिखिए कि आपकी दृष्टि में फ़सल उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किसका है और क्यों ?

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता से उद्धृत – 'तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीति' – पंक्ति के संदर्भ में प्रसाद जी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित मूसन तिवारी वाली घटना का संक्षिप्त वर्णन करते हुए लिखिए कि इस घटना से बाल मनोविज्ञान के विषय में क्या जानकारी मिलती है ?

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि' – पाठ से उद्धृत – 'जाने कितना ऋण है हम पर इन नदियों का'– कथन के संदर्भ में मानव जीवन में नदियों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर अनुभव और अनुभूति के अंतर को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक को लेखन में दोनों में से कौन अधिक प्रभावित करता है और क्यों ?

खण्ड घ
(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *6*

(क) ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती लत

संकेत-बिंदु

- ऑनलाइन गेमिंग से अभिप्राय
- होने वाली हानियाँ
- दूर रहने के उपाय

(ख) पर्यावरण संरक्षण में मेरी भूमिका

संकेत-बिंदु

- पर्यावरण संरक्षण से अभिप्राय
- आवश्यकता
- आपकी भूमिका

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) माँ की अनुपस्थिति में अतिथि का स्वागत

संकेत-बिंदु

- अतिथि को अचानक देखकर प्रसन्नता और हड़बड़ाहट
- अतिथि की आवभगत
- अतिथि द्वारा धन्यवाद ज्ञापन अविस्मरणीय क्षण

13. (क) ओ.टी.टी. पर्दे पर प्रदर्शित की जाने वाली हिंसक और अश्लील सामग्री से समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक हिंदी समाचार के संपादक को देव/देवांशी की ओर से लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। *5*

अथवा

(ख) आप देवांशी/देव हैं। आपका छोटा भाई अपने संपन्न मित्रों से प्रभावित हो नित नई-नई कीमती चीज़ों की माँग करता है और नहीं दिलाने पर क्रोधित या उदास हो जाता है। उसे जीवन में चादर अनुसार खर्च करने की सीख देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। *5*

14. (क) आप ज्योति/प्रकाश हैं। अ.ब.स. बचत बैंक में आपका बचत खाता है। बैंक द्वारा जारी आपका क्रेडिट कार्ड कहीं खो गया है। तत्काल प्रभाव से आपके खाते से लेन-देन संबंधी सभी कार्यवाही बंद करने का आग्रह करते हुए शाखा प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। *5*

अथवा

(ख) राजकीय विद्यालय अ.ब.स. नगर को हिंदी पढ़ाने वाले स्नातकोत्तर शिक्षक की तत्काल आवश्यकता है। ज्योति/प्रकाश की ओर से शैक्षणिक योग्यताओं और अनुभव का वर्णन करते हुए विद्यालय प्रबंधक को भेजने हेतु एक स्ववृत्त लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। *5*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15. (क) गर्मी के बढ़ते प्रकोप से लोगों को सावधान करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए। *4*

अथवा

(ख) प्रादेशिक क्रिकेट टीम में चयनित होने वाले मित्र को बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। *4*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंकन योजना
अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)
सेकेंडरी स्कूल सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025
कक्षा- 10 वीं हिंदी (A), कोड- 002
प्रश्न पत्र कोड 3/S/1 , 2, 3

सामान्य निर्देश:

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए, अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।

4. अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6. मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

8. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

9. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।

10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।

12. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

13. नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें–

- उत्तर-पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना
- उत्तर-पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।

14. उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

15. उत्तर-पुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।

16. सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंकन योजना जुलाई, 2025 (सप्लीमेंट्री परीक्षा)

प्रश्न पत्र कोड: 3/S/1,2,3

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या/सेट				**उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु**	**अंक**
प्रश्न	सेट 1	सेट 2	सेट 3	**[खंड - क] (अपठित बोध)**	14
1	1	2	1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
	(i)	(i)	(i)	(C) दूसरों के दुख को दूर करने के लिए हो	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है|	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) निजी हित से जुड़ा हो	1
	(iv)	(iv)	(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • न्याय की स्थापना के लिए • समाज-कल्याण के लिए • आशा का संचार करने के लिए • धर्म के उद्धार के लिए (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(v)	(v)	(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • अन्याय और अत्याचार के बढ़ने पर • समाज में निराशा फैल जाने पर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ *उपयुक्त उत्तर की जगह परिस्थितियों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
2	2.	1.	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
	(i)	(i)	(i)	(B) स्वावलंबी होना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) नियति के लिए	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) अत्याचार का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • अन्याय का डटकर विरोध • मजबूत विचार • सत्यवादी • निर्भय • स्पष्ट वक्ता • स्वप्न देखने का साहस • अकेले भी लड़ने की क्षमता • विचारों में अडिग • अपने सपनों को साकार करने के लिए सजग (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	(v)	(v)	(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त आशय लिखेंगे- • चुनौतियों का सामना करना (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) * उपयुक्त आशय लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * उपयुक्त आशय न लिख पाने परंतु काव्य-पंक्ति के अर्थ से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
				[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	3.	3.	3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
	(क)	-	-	हमारे पिताजी तड़के उठकर पूजा करने बैठ जाते थे।	1
	(ख)	-	-	पिताजी आटे की गोलियाँ लेते और गंगाजी की ओर चल पड़ते।	1
	(ग)	-	-	जब आँधी कुछ दूर निकल गई, तब हम लोग घर की ओर दौड़े।	1
	(घ)	-	-	आश्रित उपवाक्य: जब वह आटे की गोलियाँ मछलियों को खिलाते भेद: क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य	½+ ½= 1
	(ङ)	-	-	संयुक्त वाक्य	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	-	(क)	-	पिताजी हमें उठाकर पूजा में बिठा लेते।	1
	-	(ख)	-	पिताजी ज़मीन पर लेटते और हम तभी उनकी छाती पर चढ़ जाते थे।	1
	-	(ग)	-	जैसे ही बरखा बंद हुई, वैसे ही बाग में बहुत से बिच्छू नज़र आए।	1
	-	(घ)	-	आश्रित उपवाक्य: जब वह घर की ओर लौटने लगते भेद: क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य	½+ ½= 1
	-	(ङ)	-	मिश्र वाक्य	1
	-	-	(क)	पिताजी कुछ झुँझलाकर हमारे मस्तक पर त्रिपुंड कर देते थे।	1
	-	-	(ख)	वे बनावटी रोते और हम खिल-खिलाकर हँसने लगते।	1
	-	-	(ग)	जब हम लोग नहीं मिले, तब तिवारी जी सीधे पाठशाला में चले गए।	1
	-	-	(घ)	आश्रित उपवाक्य: जब हम उनकी लंबी-लंबी मूँछें उखाड़ने लगते भेद: क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य	½+ ½= 1
	-	-	(ङ)	सरल वाक्य	1
4.	4.	4.	4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
	(क)	(घ)	(ङ)	भाववाच्य में क्रिया भावप्रधान होती है और सदैव अकर्मक होती है; उपयुक्त उदाहरण पर अंक दिए जाएँ। जैसे - मुझसे चला नहीं जाता।	½+ ½= 1
	(ख)	-	-	सुमित्रानंदन पंत द्वारा पर्वत प्रदेश में होने वाली वर्षा का बड़ा ही मनोहारी वर्णन किया गया है।	1
	(ग)	-	-	दुकानदार एक ग्राहक को सामान दिखा रहा था।	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(घ)	-	-	ऐसी सर्दी में रात भर कैसे बैठा जाएगा।	1
	(ङ)	-	-	कर्तृवाच्य	1
	-	(क)	-	कवियों द्वारा वर्षा ऋतु को अपनी रचनाओं में महत्त्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है।	1
	-	(ख)	-	लहनासिंह ने दूसरी बाल्टी भरकर उसके हाथ में दे दी।	1
	-	(ग)	-	मुझसे इस पेड़ पर नहीं चढ़ा जाता/ जा सकता।	1
	-	(ङ)	-	कर्तृवाच्य	1
	-	-	(क)	सामान्य व्यक्तियों के द्वारा भी अपने श्रम से बड़े-बड़े साम्राज्य खड़े कर दिए गए हैं।	1
	-	-	(ख)	लहनासिंह दो कंबल ओढ़कर सोया।	1
	-	-	(ग)	बच्चे से धीरे-धीरे चला जाता है।	1
	-	-	(घ)	कर्तृवाच्य	1
5.	5.	5.	5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
	(क)	-	-	घर – संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक	1
	(ख)	-	-	अस्फुट – विशेषण, गुणवाचक, 'स्वर' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन	1
	(ग)	-	-	पोंछी – क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल	1
	(घ)	-	-	आज – अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'हो गई है'- क्रिया की विशेषता	1
	(ङ)	-	-	वह – सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक	1
	-	(क)	-	कौन – सर्वनाम, प्रश्नवाचक, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	-	(ख)	-	इस – विशेषण, सार्वनामिक, 'कहानी' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन	1
	-	(ग)	-	हल्के-से – अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'हँस पड़ी'- क्रिया की विशेषता	1
	-	(घ)	-	उठाई – क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल	1
	-	(ङ)		सूर्य देवता – संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक	1
	-	-	(क)	टन-टन – अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'बज उठती हैं'- क्रिया की विशेषता	1
	-	-	(ख)	लंबी – विशेषण, गुणवाचक, 'साँस' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन	1
	-	-	(ग)	बढ़ी – क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल	1
	-	-	(घ)	उसे – सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग , एकवचन, कर्ता कारक	1
	-	-	(ङ)	और – अव्यय , समुच्चयबोधक, समानाधिकरण	1
6.	6.	6.	6.	'अलंकार'' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
	(क)	-	-	उपमा अलंकार	1
	(ख)	-	-	रूपक अलंकार	1
	(ग)	-	-	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	(घ)	-	-	अतिशयोक्ति अलंकार	1
	(ङ)	-	-	मानवीकरण अलंकार (अनुप्रास अलंकार लिखने पर भी अंक दिए जा सकते हैं।)	1
	-	(क)	-	उपमा अलंकार	1
	-	(ख)	-	रूपक अलंकार	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				(अनुप्रास अलंकार लिखने पर भी अंक दिए जा सकते हैं।)	
	-	(ग)	-	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	-	(घ)	-	अतिशयोक्ति अलंकार	1
	-	(ङ)	-	मानवीकरण अलंकार	1
	-	-	(क)	उपमा अलंकार	1
	-	-	(ख)	रूपक अलंकार	1
	-	-	(ग)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	-	-	(घ)	अतिशयोक्ति अलंकार	1
	-	-	(ङ)	मानवीकरण अलंकार	1
				[खंड - ग] **(पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)**	30
7.	7.	7.	7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
	(i)	(i)	(i)	(A) चौराहे पर नेताजी की मूर्ति स्थापित करना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) मूर्ति पर रियल चश्मा लगाने की	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) पान खाने	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) मूर्ति पर लगे असली चश्मे का कारण जानने के लिए	1
	(v)	(v)	(v)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
8.	8.	8.	8.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(क)	-	-	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के जीवन से मानवीय सरोकारों को **दो** उपयुक्त बिंदुओं में लिखेंगे- • उपेक्षित और कमज़ोर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता; जैसे- बोदे और सुस्त बेटे को अधिक स्नेह का हक़दार मानना • मोहग्रस्त न होना; जैसे- बेटे की मृत्यु के समय का व्यवहार, बहू के पुनर्विवाह का आग्रह • झूठ न बोलना, खरा व्यवहार करना और किसी से कोई झगड़ा न करना • आडंबरहीन जीवन (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
	(ख)	-	-	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त योगदान लिखेंगे- • राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी • जुलूस-प्रदर्शनों, प्रभात फेरियों, हड़तालों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना • देश की पुकार पर कॉलेज, स्कूल आदि से निकल आज़ादी की लड़ाई में हिस्सा लेना • 'आज़ाद हिंद फौज़' के मुकदमे के दौरान युवा वर्ग द्वारा समर्थन (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त योगदान लिखने पर (1+1=2 अंक) -----------------------------	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				* कोई एक कारण लिखने पर **अथवा** पाठ से आज़ादी के संघर्ष की घटना के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	(ग)	(ग)	(ग)	परीक्षार्थी बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कोई **दो** विशेषताएँ लिखेंगे- • विनम्रता, सरलता, सादगीपूर्ण जीवन • संगीत के प्रति पूर्ण समर्पण • सीखने की ललक • घमंड से कोसों दूर • सुरों के सच्चे साधक • मंगल-ध्वनि नायक होते हुए भी निरंतर रियाज़ (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त विशेषताएँ लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * कोई एक विशेषता लिखने पर अथवा पाठ के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
	(घ)	(घ)	(घ)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त **अंतर** लिखेंगे- • सभ्यता - संस्कृति का परिणाम जैसे जीवन शैली, आवागमन के साधन इत्यादि • संस्कृति - मनुष्य द्वारा कल्याणकारी आविष्कार करने की योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा; जैसे जिस योग्यता के बल पर आग और सुई-धागे का आविष्कार हुआ वह संस्कृति (अन्य उपयुक्त अंतर भी स्वीकार्य)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				* उपयुक्त अंतर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * सभ्यता और संस्कृति में से किसी एक पर लिखने अथवा पाठ से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	-	(क)	-	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे - • सांसारिक जीवन जीते हुए भी ईश्वरीय प्रेम और भक्ति में डूबे रहना • खेतीबारी करना किंतु अपनी सारी उपज 'साहब' को अर्पित कर देना • मठ से प्रसाद रूप में जो मिलता, उसी से अपनी गृहस्थी चलाना • बेटे की मृत्यु पर शोक न मनाकर परमात्मा से मिलन का उत्सव मनाना • परिवार से प्रेम परंतु मोह न करना • खरा व्यवहार रखना, कथनी और करनी में अंतर न होना • गृहस्थ होकर भी गंगा-स्नान की यात्रा में साधु की तरह किसी तरह का संबल न लेकर चलना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) ------------------------------ * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
	-	(ख)	-	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • पिता द्वारा हर बात में लेखिका की तुलना उनकी बड़ी बहन सुशीला से करते हुए बड़ी बहन की प्रशंसा करना और लेखिका को हीन सिद्ध करना • पिता के व्यवहार से जन्मी हीनभावना का लेखिका के अवचेतन में आजीवन बने रहना ------------------------------	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				* उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * पाठ से लेखिका या उनके पिता के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	-	-	(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • वर्षा के साथ खेती-बारी प्रारम्भ कर देना, जैसे- हल चलाना, बुआई करना आदि • खेतों में गीत गाते हुए रोपनी करना • धान के पानी भरे खेतों में बच्चों का उछलना • स्त्रियों द्वारा कलेवा लेकर खेतों की मेड़ों पर बैठना • शाम को ग्रामीणों का समूह में बैठकर भजन कीर्तन करना, जैसे- खंजड़ी बजाना और कबीर के पद गाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
	-	-	(ख)	परीक्षार्थी पाठ में वर्णित पड़ोस कल्चर की तुलना अपने 'पड़ोस कल्चर' से करते हुए **दो** उपयुक्त बिंदुओं में **स्वतंत्र उत्तर** लिखेंगे, जैसे - • घर की सीमा का विस्तार पूरे मोहल्ले तक किंतु वर्तमान में अपने फ्लैट तक सीमित • पूरा मोहल्ला एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदार किंतु वर्तमान में आत्मकेंद्रित • पड़ोसियों के बीच परस्पर प्रेम और पारिवारिक संबंध किंतु वर्तमान में संकुचित, असहाय और असुरक्षित संबंध • संबंधों में स्नेह और विश्वास किंतु वर्तमान में संबंधों में दूरी	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				*कोई दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु अथवा पाठ से पड़ोस कल्चर के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
9.	9.	10.	10.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
	(i)	(i)	(i)	(B) कठोर हृदय व्यक्ति का भी भावुक होना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) संवेदनहीन व्यक्ति	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) शिशु का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(v)	(v)	(v)	(B) (1-ख), (2-ग), (3-क)	1
10.	10.	9.	9.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित:	6
	(क)	(क)	(क)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • गोपियों के पास स्वयं न आकर उद्धव को भेजना • प्रेम के संदेश के स्थान पर योग का संदेश भेजना ----------------------- * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर **अथवा** कृष्ण के व्यवहार के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(ख)	(ख)	(ख)	परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में **स्वतंत्र और उपयुक्त** उत्तर लिखेंगे, जैसे - **उचित :** परशुराम के अत्यधिक क्रोधपूर्ण वचनों को सुनकर लक्ष्मण की स्वाभाविक प्रतिक्रिया **अनुचित :** बड़ों/साधु -संतों से बहस करना मर्यादा के विपरीत * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * कविता के आधार पर लक्ष्मण या परशुराम के व्यवहार के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
			(ग)	परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में **स्वतंत्र और उपयुक्त** उत्तर लिखेंगे, जैसे - प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही फसल का उत्पादन संभव है / फसल उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किसान का है / फसल उत्पादन में सभी तत्वों (नदियों का पानी, मिट्टी का गुण-धर्म, सूरज की किरणें, हवा की थिरकन) का समान रूप से योगदान है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * उपयुक्त उत्तर नहीं लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
			(घ)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** उपयुक्त विशेषताएँ लिखेंगे- • विनम्रता	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				• सादगी • सरलता • एकाकीपन • यथार्थ की स्वीकृति (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * विशेषता न लिख पाने परंतु कविता के संदर्भ में कवि के जीवन के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	11.	11.	11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
	(क)	(क)	(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- मूसन तिवारी की घटना- • लेखक और उसके मित्रों के द्वारा मूसन तिवारी को चिढ़ाया जाना • मूसन तिवारी का बच्चों का पीछा करते हुए पाठशाला पहुँचना, मास्टर जी से शिकायत करना और मास्टर जी द्वारा बच्चों को डाँटना-फटकारना। लेखक के पिता का उसे लाड़-प्यार कर घर लाना। बाल मनोविज्ञान - • चिढ़ाना बच्चों की एक सामान्य और सहज क्रिया है। • वे अकसर अपने दोस्तों के साथ मिलकर बिना सोचे-समझे ऐसे मज़ाक करते हैं। उनके लिए ये खेल-सा हो जाता है। • बच्चे छोटी-छोटी बातों में सहम भी जाते हैं। • बच्चे डाँट-फटकार से डर जाते हैं।	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				• बच्चे सही-गलत की चिंता किए बिना एक-दूसरे की देखा-देखी कार्य करने लगते हैं। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * प्रश्न के दोनों हिस्सों के उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+2 = 4 अंक) ------------------------------ * प्रश्न के एक हिस्से का पर्याप्त उत्तर लिखने परंतु दूसरे हिस्से के उत्तर का पर्याप्त विस्तार नहीं कर पाने पर (3 अंक) ------------------------------ *पाठ से मूसन तिवारी वाली घटना का संक्षिप्त और स्पष्ट वर्णन करने परंतु बाल मनोविज्ञान की जगह भोलानाथ से जुड़ी बातों के आधार पर थोड़े बहुत वाक्य लिख पाने पर अथवा *पहले हिस्से का उत्तर न लिखने परंतु बाल मनोविज्ञान का स्पष्ट वर्णन करने पर (2 अंक) ----------------------------- *किसी भी हिस्से का उत्तर न लिख पाने परंतु पाठ से घटना के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	(ख)	(ख)	(ख)	परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में **चार** बिंदुओं में **स्वतंत्र** उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे - • नदियों के किनारे सभ्यता और संस्कृतियों का जन्म • आर्थिक-सामाजिक प्रगति का आधार • समस्त जीव-जगत का आधार • नदियों का पानी पीने, घरेलू उपयोग और सिंचाई के लिए उपयोगी • ऊर्जा और परिवहन का साधन • मत्स्य पालन उद्योग में सहायक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * चार उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (4 अंक)	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				------------------------------ * केवल तीन उपयुक्त बिंदु लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ * केवल दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	(ग)	(ग)	(ग)	प्रश्न के पहले **तीनों** हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **<u>अनुभव और अनुभूति में अंतर -</u>** **अनुभव:** व्यक्ति विशेष के या दूसरों के जीवन में घटी घटनाओं के आधार पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से होता है। **अनुभूति:** किसी ऐसे सत्य को, जो स्वयं के साथ घटित हुआ हो या नहीं, संवेदना और कल्पना के सहारे आत्मसात करना। लेखक अनुभूति से अधिक प्रभावित; **कारण**: • अनुभूति का लेखक की संवेदनाओं और कल्पनाओं पर गहरा प्रभाव • अनुभूति के माध्यम से लेखक द्वारा उस सत्य को महसूस कर लेना जो उसके सामने घटित नहीं हुआ • अनुभूति से ही लेखन की प्रेरणा ---------------------------- * प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+1+1= 4 अंक) ----------------------------- *पहले हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे तथा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				*पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे **अथवा** तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ----------------------------- *केवल पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर देने पर अथवा *पहले हिस्से का उत्तर न लिखने तथा दूसरे और तीसरे हिस्से का उत्तर लिखने पर अथवा *पहले हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे **अथवा** तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * पहले हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर **अथवा** दूसरे या तीसरे हिस्से का उत्तर लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
				[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	20
	12.	12.	13.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन :** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	6

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	13.	14.	14. (क) **अथवा** (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
	14.	13.	15. (क)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन अपेक्षित : **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	5

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

			अथवा (ख)	• सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। **औपचारिक ई-मेल:** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश** : • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	
	15.	15.	12. (क) अथवा	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन अपेक्षित : **विज्ञापन - लेखन** : • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश** : • विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

			(ख)	• सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **संदेश-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • संदेश-लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in